भा.श्री.अनु.सं.

क्रम सं. 240 अक्तूबर, 2023

श्री अन्न समाचार पत्र

IIMR
भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान
ICAR-Indian Institute of Millets Research
हैदराबाद * सोलापुर * वरंगल

भाकृअनुप—भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, राजेन्द्र नगर, हैदराबाद - 500 030, तेलंगाना, भारत

अनुसंधान सलाहकार समिति की बैठक

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 2022-23 की अवधि के दौरान विभिन्न अनुसंधान परियोजनाओं में

प्रगति की समीक्षा हेतु डॉ. अरविंद कुमार, उप महानिदेशक, इक्रिसेट, पटनचेरू की अध्यक्षता में 26-27 अक्तूबर, 2023 के दौरान संस्थान के अनु.स.स. की 24वीं बैठक आयोजित की गई। बैठक में अनुसस के सदस्य - डॉ. ओ पी यादव, निदेशक, भाकृअनुप - केंद्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर; डॉ. श्रीदेवी अन्नपूर्णा सिंह, निदेशक, केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान, मैसूर; डॉ. एस आर मालू, पूर्व अनुसंधान निदेशक, एमपीयूएटी, उदयपुर; डॉ. एस टी कज्जिडोनी, पूर्व डीन, कृषि महाविद्यालय, कृविविवि, धारवाड़ तथा डॉ. ए निर्मलाकुमारी, पूर्व प्रोफेसर (पादप प्रजनन व आनुवंशिकी), श्री अन्न उत्कृष्टता केंद्र, टीएनएयू, अथियांडाल; डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं एवं डॉ. पी. राजेंद्रकुमार, प्रधान वैज्ञानिक तथा सदस्य-सचिव, अनुसस उपस्थित थे। डॉ. एस के प्रधान, सहायक महानिदेशक (खाद्य एवं चारा फसल), भाकृअनुप, नई दिल्ली भी इस अवसर पर उपस्थित थे। सदस्य सचिव के द्वारा पिछली अनुसस की बैठक की सिफारिशों पर अनुवर्ति कार्रवाई की रिपोर्ट प्रस्तुत की गई।

भाश्रीअनुसं की निदेशक डॉ. सी तारा सत्यवती ने 2022-23 के दौरान श्री अन्न में अनुसंधान और विकास का सिंहावलोकन प्रस्तुत किया। उन्होंने विभिन्न अनुसंधान कार्यक्रमों, भाश्रीअनुसं में बीज उत्पादन, बाहय वित्त पोषित परियोजनाओं, प्रकाशनों, राष्ट्रीय पोषक-अनाज सम्मेलन, प्रशिक्षणों और बौद्धिक संपदा प्रबंधन के अंतर्गत संस्थान की महत्वपूर्ण उपलब्धियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी प्रदान की। उन्होंने श्री अन्न पर वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में संस्थान की भूमिका और भाश्रीअनुसं की पहलों तथा गतिविधियों पर भी बल दिया। विभिन्न विषयगत क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने वाले वैज्ञानिकों ने अपनी-अपनी परियोजनाओं की प्रगति, उपलब्धियों एवं अपेक्षित परिणामों को प्रस्तुत किया। अनुसस दल ने 27 अक्तूबर 2023 को प्रक्षेत्र प्रयोगों का भी दौरा किया और संबंधित वैज्ञानिकों के साथ चर्चा की। तत्पश्चात जीन संग्रह, श्री अन्न उत्कृष्टता केंद्र, प्राथमिक और माध्यमिक प्रसंस्करण सुविधाओं और पोषण केंद्र का दौरा किया तथा वहां संचालित गतिविधियों के बारे में जानकारी प्राप्त की। अध्यक्ष तथा सदस्यों ने उत्कृष्ट कार्य और प्रसंस्करण एवं मूल्य-वर्धन हेतु अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे के लिए संस्थान के वैज्ञानिकों और अन्य कर्मचारियों के प्रयासों की सराहना की। अध्यक्ष और सदस्यों ने विभिन्न परियोजनाओं में सुधार के लिए बहुमूल्य सुझाव दिए तथा श्री अन्न पर वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र के रूप में संस्थान के बढ़ते दायित्व को ध्यान में रखते हुए ज्यादा सहयोग व प्रयासों पर बल दिया।

"आईएसटीए : बीज गुणता आश्वासन" पर अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के द्वारा बीज क्षेत्र विकास पर भारत-जर्मन द्विपक्षीय सहयोग के तत्वावधान में, 15-19 अक्तूबर, 2023

के दौरान तेलंगाना अंतर्राष्ट्रीय बीज परीक्षण प्राधिकरण (तिस्ता), टीएसएसओसीए, राजेंद्रनगर, हैदराबाद, तेलंगाना में "आईएसटीए : बीज गुणता आश्वासन" पर एक अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का उद्देश्य बीज परीक्षण प्रयोगशालाओं के लिए गुणता प्रबंधन प्रणाली और आईएसटीए मानकों, आईएसटीए मान्यता के अनुसार बीज गुणता आश्वासन के महत्वपूर्ण विषयों का निपटान, बीज नमी, अंकुरण और शुद्धता परीक्षण में प्रगति के तकनीकी और व्यावहारिक पहल पर ज्ञान प्रदान करना था। इस कार्यशाला में आईएसटीए के डॉ. फ्लोरिना पलाडा, आईएसटीए प्रत्यायन और तकनीकी विभाग के प्रमुख, डॉ. जोएल लेचाप्पे, आईएसटीए मानद आजीवन सदस्य, श्री क्रेग मैकगिल, आईएसटीए ईसीओएम सदस्य और पूर्व आईएसटीए अध्यक्ष, डॉ. जी वी जगदीश, सदस्य, आईएसटीए टीसीओएम विगोर और स्टोरेज समिति और तकनीकी सलाहकार (क्यूए), डॉ. मालविका ददलानी, पूर्व संयुक्त निदेशक (अनुसंधान), भाकृअनुप-भाकृअनुसं, नई दिल्ली तथा डॉ. केशवुलु कुनुसोथ, आईएसटीए- अध्यक्ष, निदेशक - टीएसएसओसीए और टिस्टा, हैदराबाद शामिल अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ उपस्थित थे। प्रशिक्षण में निजी और सार्वजनिक क्षेत्र सहित देश के विभिन्न भागों से कुल 25 सहभागियों ने भाग लिया। उद्घाटन सत्र में, आईएसटीए, स्विट्जरलैंड के अध्यक्ष डॉ. के केशवुलु ने गुणता आश्वासन हेतु बीज परीक्षण के महत्व पर बल दिया। डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने सभा का स्वागत किया तथा कार्यक्रम के दौरान उद्घाटन संबोधन दिया। उन्होंने गुणतायुक्त बीज की आपूर्ति और निर्यात में भारत में बीज परीक्षण प्रयोगशालाओं की भूमिका पर प्रकाश डाला। डॉ. राघवेंद्र कवली, राष्ट्रीय समन्वयक इंडो-जर्मन बीज क्षेत्र विकास ने धन्यवाद प्रस्ताव दिया।

आईएसटीए के प्रशिक्षकों के द्वारा व्यावहारिक उदाहरणों और प्रदर्शनों के माध्यम से सहभागियों को गुणता आश्वासन संवर्धन, बीज परीक्षण उपकरणों, उत्पादों और उपभोग्य सामग्रियों पर नियंत्रण तथा जांच के सैद्धांतिक एवं व्यावहारिक पहलुओं पर प्रशिक्षित किया गया तथा प्रशिक्षार्थियों को आईएसटीए प्रयोगशाला मान्यता हेतु गुणता नियंत्रण एवं गुणता आश्वासन की स्पष्ट जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षार्थियों ने भाश्रीअनुसं में उत्कृष्टता केंद्र, पोषण केंद्र, मूल्य वर्धन और उद्यमिता विकास के लिए सामान्य सुविधाओं का भी दौरा किया।

इस प्रशिक्षण का समन्वयन डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के मार्गदर्शन में डॉ. सूगण्ण तथा डॉ. बी वेंकटेश भट के द्वारा किया गया। टीएसएसओसीए के निदेशक डॉ. केशवुलु कुनुसोथ के नेतृत्व में (टीआईएसटीए), टीएसएसओसीए, राजेंद्रनगर, हैदराबाद द्वारा प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। श्री एक्केहार्ड श्रोएडर दल प्रमुख, एडीएच प्रोजेक्ट कंसल्टिंग, जर्मनी और डॉ. राघवेंद्र कवली, राष्ट्रीय समन्वयक, इंडो-जर्मन सीड सेक्टर डेवलपमेंट क्रमशः टीएसएसओसीए और एडीटी प्रोजेक्ट कंसल्टिंग के समन्वयक थे।

पंवास बैठक

भाश्रीअनुसं के पंचवार्षिक समीक्षा दल (पंवास) के प्रतिवेदन को अंतिम रूप देने तथा बाजरे पर अतिरिक्त अभासअनुप की समीक्षा के आलोक में केंद्रों के दौरे के पुनर्निर्धारण के लिए, पंवास दल के अध्यक्ष डॉ. एस एल मेहता, पूर्व कुलपति (महाराणा प्रताप कृषि विश्वविद्यालय एवं प्रौद्योगिकी, उदयपुर) और अन्य सदस्य डॉ. के गणेशमूर्ति, पूर्व निदेशक, पादप प्रजनन व आनुवंशिकी केंद्र, टीएनएयू, कोयंबटूर; डॉ. ओ पी गोविला, पूर्व परियोजना समन्वयक, बाजरे पर अभासअनुप; डॉ. एन के बाजपाल, निदेशक विस्तार, बीयूएटी, बांदा, शामिल पसद ने 17 और 18 अक्तूबर को भाश्रीअनुसं का दौरा किया। दल ने डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं के साथ औपचारिक चर्चा की। दल ने भाश्रीअनुसं के विभिन्न वैज्ञानिकों के साथ भी व्यक्तिगत रूप से चर्चा की। डॉ. प्रभाकर, पूर्व परियोजना समन्वयक, लघु श्री अन्न पर अभासअनुप, बेंगलुरु ने आभासी रूप में विचार-विमर्श में भाग लिया। डॉ. ए वी उमाकांत, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, सदस्य सचिव, हैदराबाद ने इस बैठक का समन्वय किया।

किसान प्रथम परियोजना पर संस्थान परामर्श समिति (संपस) की बैठक

डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद की अध्यक्षता में 3 अक्तूबर, 2023 को किसान प्रथम परियोजना (एफएफपी) की संस्थान परामर्श समिति (संपस) की बैठक आयोजित की गई। बैठक में अन्य सदस्य - डॉ. सी अरुणा, डॉ. बी वेंकटेश भट, डॉ. जी श्याम प्रसाद, डॉ. हरिप्रसन्ना के, डॉ. के एन गणपति, डॉ. एन अनुराधा, डॉ. सी संगप्पा, श्रीमती पी हेमशंकरी और कि.प्र. परियोजना के सह-प्रधान अन्वेषक - स्वर्णा रोणंकि, तथा ए श्रीनिवास, एवं डॉ. राजेंद्र आर चापके, प्रधान अन्वेषक व संपस के सदस्य सचिव तथा अन्य परियोजना दल के सदस्यों ने भाग लिया। श्री वीरशेट्टी, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, गैर-सरकारी संगठन-भवानी फूड्स तथा स्थानीय समन्वयक ने भी अपने सहयोगी के साथ सक्रिय रूप से भाग लिया। डॉ. आर आर चापके ने वर्ष 2022-23 का प्रगति प्रतिवेदन एवं वर्तमान वित्तीय वर्ष 2023-24 का तकनीकी कार्यक्रम प्रस्तुत किया। श्री वीरशेट्टी ने फसल और उद्यम मॉड्यूल के अंतर्गत अपने योगदान में प्रगति, उत्पादकता वृद्धि और डीहुलर उपकरण के सर्वोत्तम प्रदर्शन के बारे में बताया। सलाहकार समिति ने सुझाव दिया कि चूंकि हस्तक्षेप अच्छा प्रदर्शन कर रहे थे, अतः धन की उपलब्धता के आधार पर वीडियो फिल्मों के माध्यम से उन्हें लोकप्रिय बनाने हेतु प्रत्येक मॉड्यूल पर सफलता की कहानी तैयार करने की आवश्यकता है। अध्यक्ष ने श्री अन्न की खेती को सुकर बनाने, मौजूदा कृषि कार्यों के प्रलेखीकरण एवं एनआरएम मॉड्यूल के अंतर्गत मल्चिंग और एकीकृत जल प्रबंधन हस्तक्षेप को जोड़ने का प्रयास करने का आग्रह किया।

संअनुप के द्वारा विशेष परियोजनाओं की समीक्षा

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान (भाश्रीअनुसं) में संचालित और विभिन्न निधियन अभिकरणों द्वारा वित्त पोषित बाह्य वित्त पोषित परियोजनाओं के प्रगति की समीक्षा 20 अक्तूबर 2023 को आयोजित बैठक में की गई। बैठक की अध्यक्षता भाश्रीअनुसं के निदेशक डॉ. सी तारा सत्यवती ने की। परियोजनाओं के प्रधान अन्वेषक, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी और संस्थान के वित्त और लेखा अधिकारी बैठक में उपस्थित थे। बैठक में कुल 20 परियोजनाएं प्रस्तुत की गईं और उन पर चर्चा की गई। परियोजनावार प्रगति, वित्त पोषण की स्थिति व निधि उपयोग पर विस्तार से चर्चा की गई।

हिंदी चेतना मास - पुरस्कार वितरण समारोह

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद में 14 सितंबर-13 अक्तूबर, 2023 के दौरान आयोजित हिंदी चेतना मास समारोह के अंतर्गत कुल 11 (9 एकल तथा 2 सामूहिक) हिंदी प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। जिनमें वैज्ञानिक, तकनीकी, प्रशासनिक, शोध अध्येता आदि ने बड़े-ही उत्साह एवं उमंग के साथ भाग लिया। इसके अलावा उक्त चेतना मास के दौरान हिंदी में हस्ताक्षर अभियान भी चलाया गया, जिसमें सभी अधिकारियों तथा कर्मचारियों ने हिंदी में हस्ताक्षर करके कार्यक्रम को सफल बनाया। संस्थान में 16 अक्तूबर 2023 को हिंदी चेतना मास के दौरान आयोजित हिंदी प्रतियोगिताओं के विजेताओं हेतु पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। समारोह का शुभारंभ भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् गान से हुआ। तत्पश्चात डॉ. जिनु जेकब, वैज्ञानिक एवं प्रभारी, हिंदी कक्ष ने समारोह के अध्यक्ष एवं उपस्थित सभी सहभागियों का स्वागत किया तथा संस्थान में संपन्न राजभाषा कार्यान्वयन संबंधी गतिविधियों पर वार्षिक प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। श्रीमती ऋतु दलाल, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी ने संस्थान के प्रशासनिक अनुभाग में राजभाषा कार्यान्वयन की

वर्तमान स्थिति एवं भावी कार्यान्वयन गतिविधियों से अवगत कराया। डॉ. महेश कुमार, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (राजभाषा) ने हिंदी चेतना मास के दौरान आयोजित विविध कार्यक्रमों पर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया तथा कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु सभी सहभागियों, निर्णायकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक ने संस्थान में राजभाषा कार्यान्वयन को प्रोत्साहन प्रदान करने हेतु श्रीमती ऋतु दलाल, श्रीमती वी एस जी पार्वती तथा श्रीमती जी सरस्वती को वार्षिक नकद पुरस्कार एवं प्रशस्ति-पत्र प्रदान किए। तत्पश्चात उन्होंने प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं सहभागियों को नकद पुरस्कार एवं प्रमाण-पत्र तथा निर्णायकों को स्मृति चिह्न प्रदान किए। डॉ. तारा सत्यवती ने अपने संबोधन में कहा कि संस्थान में आयोजित इस भव्य समारोह में अधिकारियों के उत्साह व उमंग को देखकर अत्यंत प्रसन्नता हुई। उन्होंने कहा कि सभी कार्मिकों को राजभाषा हिंदी का सम्मान करना चाहिए और अपने दैनंदिन कार्यों में उसका बढ़-चढ़कर उपयोग करना चाहिए और यह हमारा कर्तव्य भी है। ऐसे कार्यक्रमों का आयोजन हमें जोड़ता है, जिससे अपनापन महसूस होता है और हिंदी तो विविधता में एकता स्थापित करने की एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इसके अलावा उन्होंने कहा कि स्थायी व अस्थायी सभी कार्मिकों का दायित्व है कि वे कार्यालयीन कार्यों में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करें। अंत में डॉ. महेश कुमार के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन, तत्पश्चात राष्ट्रगान के बाद समारोह का समापन हुआ। संस्थान में संपन्न पूरे हिंदी चेतना मास समारोह के कार्यक्रमों का संचालन एवं समन्वय डॉ. सी तारा सत्यवती के दिशा-निर्देश में डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ. महेश कुमार के द्वारा किया गया।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान ने भ्रष्टाचार के प्रति जागरूकता फैलाने और परिषद के निर्देशों के अनुसार संस्थान में समग्र कामकाज में सुधार के उपायों को प्रोत्साहित करने के लिए 30 अक्तूबर 2023 से "सतर्कता जागरूकता सप्ताह" का शुभारंभ किया। इस वर्ष सतर्कता जागरूकता सप्ताह का विषय "भ्रष्टाचार को ना कहें, राष्ट्र के प्रति प्रतिबद्ध रहें" है । इस सप्ताह का शुभारंभ 30 अक्तूबर 2023 को सभी कर्मचारियों को वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के द्वारा हिंदी में और निदेशक, भाश्रीअनुसं के द्वारा अंग्रेजी में शपथ दिलाकर हुई। इस अवसर पर भाश्रीअनुसं के सभी कर्मचारियों के लिए निबंध लेखन, प्रश्नोत्तरी, पोस्टर और वाद-विवाद प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

स्वच्छ भारत विशेष अभियान 3.0

भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, हैदराबाद ने भारत सरकार के द्वारा महात्मा गांधी जयंती के उपलक्ष्य में शुरू, लंबित मामलों की पहचान, रिकॉर्ड प्रबंधन, रद्दी निपटान शामिल राष्ट्रव्यापी स्वच्छता अभियान के अंतर्गत 2 अक्तूबर से 31 अक्तूबर 2023 तक विशेष स्वच्छता अभियान 3.0 का आयोजन किया। इस अवसर पर कर्मचारियों ने देश को साफ-सुथरा रखने के लिए स्वच्छता शपथ ली। इस कार्यक्रम में संस्थान के सभी कर्मचारियों ने पूरे उत्साह व उमंग के साथ भाग लिया और मुख्य भवन व परिसर की सफाई की, प्रक्षेत्र से अपशिष्ट पदार्थ हटाए एवं प्रशासन में लंबित फाइलों का निस्तारण भी किया। डॉ. बी सुब्बारायडु, नोडल अधिकारी, स्वच्छ भारत मिशन, भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के द्वारा कार्यक्रम का समन्वय किया गया।

पोलीमेरतंडा में विशेष जागरूकता अभियान : इस अवसर पर, भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के वैज्ञानिकों का दल - डॉ. बी सुब्बारायडु, नोडल अधिकारी (स्वच्छ भारत कार्यक्रम) और डॉ. डी सेवानायक ने ग्रामीणों के मध्य स्वच्छ भारत अभियान के बारे में जागरूकता पैदा करने हेतु 9 अक्तूबर, 2023 को तेलंगाना के महबूबनगर जिले के पोलीमेरतंडा का दौरा किया और गांव की सड़कों और विद्यालय परिसर की सफाई कार्यक्रम का आयोजन किया। डॉ. बी सुब्बारायडु ने स्वच्छ भारत कार्यक्रम गतिविधियों के महत्व पर प्रकाश डाला और डॉ. सेवानायक ने भाश्रीअनुसं में अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष (आईएम)-2023 में संचालित गतिविधियों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने श्री अन्न प्रौद्योगिकी के प्रसार के लिए किसानों को सूचना ब्रोशर व पुस्तिकाएं प्रदान की। लोगों को बीमारियों से बचने और स्वस्थ वातावरण बनाए रखने के लिए गाँव की सफाई, खरपतवार हटाने व पेड़ लगाने, कूड़ेदान एवं कचरे के निपटान तथा स्वच्छता के बारे में जागरूक किया। किसानों से आग्रह किया कि वे श्री अन्न उगाएं ताकि पानी, मृदा स्वास्थ्य एवं ग्रामीण लोगों का स्वास्थ्य सुरक्षित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने ओडिशा, तमिलनाडु, राजस्थान, केरल, दिल्ली, मध्य प्रदेश तथा आंध्र प्रदेश आदि राज्यों के विभिन्न नवोद्यमियों हेतु 13 अक्तूबर 2023 को एक दिवसीय नवोद्यमी उज्जवलन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने 27 अक्तूबर 2023 को तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, केरल, महाराष्ट्र, कर्नाटक, हरियाणा, मध्य प्रदेश और दिल्ली जैसे विभिन्न राज्यों के 33 प्रतिभागियों के लिए न्यूट्रीहब में श्री अन्न प्रसंस्करण क्षेत्र में व्यवसाय के अवसर पर नवोद्यमी उज्जवलन प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। प्रतिभागियों को श्री अन्न प्रक्षेत्र एवं सामान्य प्रसंस्करण सुविधाएं दिखाई गईं। प्राथमिक व माध्यमिक प्रसंस्करण (मूल्य संवर्धन), इनक्यूबेशन तथा प्रौद्योगिकी लाइसेंसन पर व्याख्यान दिए गए। डॉ. बी दयाकर राव, प्रधान वैज्ञानिक ने प्रतिभागियों से चर्चा की। इस कार्यक्रम का संचालन तकनीकी अधिकारी डॉ. वी रवि कुमार के द्वारा किया गया।

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने भाकृअनुप-केंबाकृअनुसं के किसानों हेतु 11 अक्तूबर 2023 को श्री अन्न के मूल्य शृंखला, निर्यात और मूल्य वर्धन के अवसरों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए श्री अन्न मूल्य वर्धन पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में 28 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

श्री अन्न संग रसोई पर प्रशिक्षण

न्यूट्रिहब, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने 26 अक्तूबर 2023 को तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, झारखंड, बिहार, महाराष्ट्र, कर्नाटक, हरियाणा, मध्य प्रदेश और दिल्ली जैसे विभिन्न राज्यों के 21 प्रतिभागियों के लिए श्री अन्न संग रसोई पर प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में प्रतिभागियों को व्यावहारिक अनुभव प्रदान करते हुए केक, मफिन, रोटी, भरवां इडली, मिठाई जैसे श्री अन्न व्यंजन का प्रदर्शन किया गया।

अंतर्राष्ट्रीय चर्चा एवं परिप्रेक्ष्य

डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं को विश्व खाद्य पुरस्कार फाउंडेशन के #बोरलॉग संवाद के हिस्से के रूप में, मर्डोक विश्वविद्यालय, फ़सल और खाद्य नवाचार केंद्र एवं डब्ल्यू ए राज्य कृषि विश्वविद्यालय जैव प्रौद्योगिकी केंद्र फ़ूड फ़्यूचर्स इंस्टीट्यूट, ऑस्ट्रेलिया के द्वारा "स्थायी, न्यायसंगत और पौष्टिक खाद्य प्रणाली के लिए विज्ञान नवाचारों का उपयोग" विषय पर आयोजित आभासी गोलमेज सत्र में आमंत्रित किया गया।

डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं और **डॉ. बी दयाकर राव**, प्रधान वैज्ञानिक तथा मु.का.अधिकारी, न्यूट्रिहब को खाद्य विज्ञान विभाग, कृषि महाविद्यालय, पर्ड्यू विश्वविद्यालय, वेस्ट लाफायेट, इंडियाना, संयुक्त राज्य अमेरिका में 27 अक्तूबर, 2023 को अंतर्राष्ट्रीय श्री अन्न वर्ष 2023 पर पहले जीएसए उत्तरी अमेरिकी गोलमेज शिखर सम्मेलन में मुख्य वक्ताओं के रूप में आमंत्रित किया गया। डॉ. तारा सत्यवती ने "श्री अन्न वैश्विक उत्कृष्टता केंद्र एक सिंहावोकन" पर ऑनलाइन चर्चा की और डॉ. बी दयाकर राव ने पोषक तत्व क्षेत्र में नवाचारों पर बात की और भाकृअनुप-भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, न्यूट्रीहब, हैदराबाद, भारत के अंतर्गत तैयार नवोद्यमियों के पोषण में अपने अनुभव को साझा किया। ।

डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 6 अक्तूबर 2023 को इंटरनेशनल जिंक एसोसिएशन एलएससी, पुष्प विहार, नई दिल्ली द्वारा आयोजित ग्लोबल माइक्रोन्यूट्रिएंट समिट 2.0 के दौरान आधार व्याख्यान दिया ।

सम्मानीत अतिथि

डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने 09 अक्तूबर 2023 को भारत-इज़राइल औद्योगिक अनुसंधान एवं विकास तथा तकनीकी नवाचार कोष के अंतर्गत प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, दिल्ली के द्वारा आयोजित प्रारंभिक स्क्रीनिंग समिति (आईएससी) की ऑनलाइन बैठक में चर्चा के दौरान तकनीकी विशेषज्ञ के रूप में व्याख्यान

दिया।

डॉ. बी. दयाकर राव, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं और मु.का.अधिकारी, न्यूट्रीहब ने 31 अक्तूबर 2023 को भारत रत्न सी सुब्रमण्यम ऑडिटोरियम, नई दिल्ली में "फसल सुधार हेतु जैव रासायनिक व जैव प्रौद्योगिकी दृष्टिकोण" पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन (आईबीबीएसीआई 2023) के दौरान पैनल चर्चा सत्र में भाग लिया।

व्याख्यान

डॉ. बी दयाकर राव, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने 6 अक्तूबर 2023 को कॉलेज ऑफ होम साइंस निर्मला निकेतन - खाद्य पदार्थ, पोषण और आहार विज्ञान विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय में "श्री अन्न - स्थिरता, स्वास्थ्य एवं कल्याण" विषय पर बीज भाषण दिया।

डॉ. के बी आर एस विशारदा, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने 7 अक्तूबर 2023 को संस्कृति फाउंडेशन, हैदराबाद द्वारा आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान "स्वस्थ भोजन और श्री अन्न-सुपोषण" पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रशिक्षकों को श्री अन्न के लाभ बताने हेतु आयोजित किया गया ताकि यह जागरूकता तेलंगाना राज्य के 100 कॉलेजों के युवाओं तक पहुंच सके।

डॉ. सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने भाकृअनुप-सीएमएफआरआई, कोचीन के द्वारा 10-13 अक्तूबर 2023 के दौरान "सतत विकास हेतु कृषि-खाद्य प्रणालियों का परिवर्तन" पर आयोजित कृषि विज्ञान कांग्रेस में "खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए श्री अन्न को मुख्यधारा में लाना" विषय पर व्याख्यान दिया।

डॉ. ए वी उमाकांत, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने 11 अक्तूबर, 2023 को एनएसआई, कानपुर में आयोजित स्थिरता के लिए चीनी उद्योग आधुनिकीकरण और विविधीकरण पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में भाग लिया और "उपोष्णकटिबंधीय भारत में जैव ईंधन उत्पादन के लिए मीठी ज्वार" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने मैनेज, हैदराबाद और वानिकी महाविद्यालय, पोन्नमपेट, केएसएनयूएएचएस शिवमोग्गा के द्वारा 11 अक्तूबर, 2023 को "कर्नाटक में टिकाऊ किउसं बनाने के लिए बाजार संचालित कृषि, बागवानी और वानिकी प्रौद्योगिकियों" पर संयुक्त रूप से आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम में "श्री अन्न में व्यापार के सुअवसर - टिकाऊ किउसं के लिए प्रसंस्करण तथा मूल्य वर्धन" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने 13 अक्तूबर 2023 को धनलक्ष्मी श्रीनिवासन विश्वविद्यालय (डीएसयू), तमिलनाडु द्वारा आयोजित "श्री अन्न की वैश्विक क्षमता की खोज : खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य और स्थिरता" विषय पर ऑनलाइन संगोष्ठी में "स्थायी श्री अन्न खेती के लिए श्री अन्न किउसं" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने स्कूल ऑफ एग्रीकल्चर, एसआर यूनिवर्सिटी, वरंगल के द्वारा 16 अक्तूबर 2023 को विश्व खाद्य दिवस और आईवाईएम-23 की पूर्व संध्या पर "उन्नत तकनीक से भोजन बचाएं एसएफएटी-2023" विषय पर आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी के दौरान "बदलते जलवायु परिदृश्य में खाद्य और पोषण सुरक्षा के लिए श्री अन्न" पर व्याख्यान दिया।

डॉ. पी संजना रेड्डी, प्रधान वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने 17 अक्तूबर, 2023 को एएनजीआरएयू के द्वारा एएनजीआरएयू, गुंटूर में आयोजित "रबी तैयारियां" पर आयोजित कार्यशाला में "रबी के दौरान श्री अन्न की खेती हेतु कार्य-नीतियाँ" पर आमंत्रित व्याख्यान दिया, जिसमें विभिन्न अनुसंधान केंद्रों में कार्यरत प्रमुख फसलों के प्रधान वैज्ञानिकों, कृविकें के समन्वयकों और आंध्र प्रदेश में डीएटीटी केंद्रों के समन्वयकों ने भाग लिया।

डॉ. संगप्पा, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने मैनेज, हैदराबाद के द्वारा ओडिशा के विभिन्न जिला अधिकारियों के लिए 18 अक्तूबर

2023 को आयोजित प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान "किउसं को सशक्त बनाना : विस्तार सहायता प्रणाली विकास में भाश्रीअनुसं का योगदान" पर आधार व्याख्यान दिया।

डॉ. वी एम मालती, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने भाकृअनुप-भारतीय मसाला अनुसंधान संस्थान, कोझिकोड, केरल के द्वारा 18 अक्तूबर, 2023 को 'श्री अन्न के महत्व' पर आयोजित एक दिवसीय किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान मलयालम में 'श्री अन्न के पोषण और स्वास्थ्य लाभ' पर एक सत्र के विषय-विशेषज्ञ के रूप में सेवाएं प्रदान की।

डॉ. बी दयाकर राव, प्रधान वैज्ञानिक-भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने 19 अक्तूबर 2023 को एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कट्टनकुलथुर, तमिलनाडु में "श्री अन्न प्रसंस्करण, मूल्य वर्धन, संरक्षा और स्थिरता" पर राष्ट्रीय सम्मेलन में बीज व्याख्यानन दिया।

डॉ. वी एम मालती, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने एसएएफआई इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, मलप्पुरम, केरल के द्वारा 19 अक्तूबर, 2023 को 'मैजिक मिलेट्स : सोइंग सस्टेनेबल फ्यूचर-2023' पर आयोजित राष्ट्रीय सम्मेलन में 'बेहतर पोषण व अच्छे स्वास्थ्य हेतु श्री अन्न का उपयोग' पर एक आमंत्रित व्याख्यान दिया।

रेडियो वार्ता

डॉ. वी एम मालती, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने 27 अक्तूबर, 2023 को ऑल इंडिया रेडियो-मलयालम के माध्यम से प्रसारित 'वायलुम वीदुम' कार्यक्रम में रागी और लघु श्री अन्न के पोषण मूल्य और स्वास्थ्य संबंधी लाभकारी गुणों पर एक रेडियो वार्ता दी।

अंतर्राष्ट्रीय सीजीआईएआर जेंडर सम्मेलन में पोस्टर प्रस्तुति

डॉ. राजेंद्र आर चापके ने 9 से 12 अक्तूबर, 2023 के दौरान सी सुब्रमण्यम सभागार, एनएएससी कॉम्प्लेक्स, पूसा, नई दिल्ली में "अनुसंधान से प्रभाव तक : उचित व लचीली कृषि-खाद्य प्रणालियों की ओर" विषय पर आयोजित अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में "श्री अन्न के कटाई उपरांत कार्यों में महिला किसानों के कठिन परिश्रम को कम करने का आकलन एवं उपाय" शीर्षक पर पोस्टर प्रस्तुत किया। अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन भारत के माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के द्वारा किया गया। इस अवसर पर सीजीआईएआर लिंग प्रभाव मंच व भाकृअनुप के उच्च अधिकारी उपस्थित थे तथा भारत व अन्य देशों के लगभग 50 प्रतिभागियों ने भाग लिया। चयनित पोस्टर सार को सीजीआईएआर लिंग सम्मेलन 2023 के आयोजक के द्वारा सम्मेलन की सार पुस्तक में प्रकाशित भी किया गया।

पुरस्कार

डॉ. बी. दयाकर राव, प्रधान वैज्ञानिक-भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं और मु.का.अधिकारी, न्यूट्रिहब ने खाद्य पदार्थ, पोषण और आहार विज्ञान के क्षेत्र में अनुकरणीय दृष्टि, उत्कृष्ट योगदान एवं शक्तिशाली नेतृत्व के लिए कॉलेज ऑफ होम साइंस निर्मला निकेतन - खाद्य पदार्थ, पोषण और आहार विज्ञान विभाग, मुंबई विश्वविद्यालय में 6 अक्तूबर 2023 को "प्रथम शीला इसाक मेमोरियल ओरेशन अवार्ड" ग्रहण किया। ।

डॉक्टरेट उपाधि

डॉ. पी मुकेश, वैज्ञानिक, भाश्रीअनुसं को हाल ही में उनके "मशीन लर्निंग तकनीकों का उपयोग करके फसल पौधों में अनुक्रम विश्लेषण के माध्यम से स्वचालित जीन पहचान" पर शोध के लिए जवाहरलाल नेहरू प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हैदराबाद से कंप्यूटर विज्ञान और इंजीनियरिंग में डॉक्टरेट की उपाधि से सम्मानित किया गया। उन्होंने अपना पीएचडी कार्य जेएनटीयू-हैदराबाद के विदेश संबंध निदेशालय के निदेशक प्रोफेसर डी वासुमथी की देखरेख में संपन्न किया। *इस उपलब्धि के लिए भाश्रीअनुसं परिवार उन्हें बधाई देता है।*

ज्वार स्टाल

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने भाकृअनुप-सीएमएफआरआई कोचीन के द्वारा आयोजित XVI कृषि विज्ञान कांग्रेस के दौरान डॉ. संगप्पा के नेतृत्व में एक ज्ञानवर्धक श्री अन्न प्रदर्शनी स्टॉल का आयोजन किया।

पदोन्नति

श्री एच एस गावली, सहायक मुख्य तकनीकी अधिकारी (फोटोग्राफी), भाश्रीअनुसं को विभागीय पदोन्नति समिति की संस्तुति पर अगले उच्च स्तर पर मुख्य तकनीकी अधिकारी (फोटोग्राफी) के रूप में पदोन्नत किया गया। *इस उपलब्धि के लिए श्री अन्न परिवार उन्हें बधाई देता है।*

अंतर्राष्ट्रीय प्रशिक्षण में सहभागिता

डॉ. दीपिका चेरुकु, वैज्ञानिक, भाश्रीअनुसं, हैदराबाद ने ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड विश्वविद्यालय में फसल विज्ञान केंद्र, क्वींसलैंड एलायंस फॉर एग्रीकल्चर एंड फूड इनोवेशन में 17 जुलाई, 2023 से 01 अक्तूबर, 2023 तक "स्पीड ब्रीडिंग टेक्नोलॉजी" पर मध्यम अवधि के प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया है। प्रोफेसर ली हिक्की और उनके दल के मार्गदर्शन में उन्होंने स्पीड ब्रीडिंग तकनीक पर ज्ञान प्राप्त किया तथा आनुवंशिक लाभ की दर बढ़ाने और तेजी से किस्मों के वितरण के लिए श्री अन्न फसलों पर उन्हें लागू किया। इस पूरे कार्यक्रम हेतु वित्तीय सहायता एक्सीलेंस ऑफ ब्रीडिंग (ईआईबी), सीआईएमएमवाईटी, मैक्सिको द्वारा प्रदान की गई।

आगंतुक

गणमान्य व्यक्ति

सुश्री हरि चंदना दसारी, आईएएस, निदेशक, आयुर्वेद, योग, प्राकृतिक चिकित्सा, यूनानी, सिद्ध और होम्योपैथी (आयुष) ने अपने दल के साथ नवीनतम श्री अन्न प्रसंस्करण व मूल्य वर्धन प्रौद्योगिकियों पर प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के प्रयोजन से 16 अक्तूबर, 2023 को भाश्रीअनुसं का दौरा किया। डॉ. (श्रीमती) सी तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने उन्हें अनुसंधान और वैज्ञानिक उत्पादन को बढ़ाने के लिए भाश्रीअनुसं में संचालित अनुसंधान गतिविधियों, कार्य योजनाओं और निगरानी तकनीकों के बारे में बताया। उक्त दल ने श्री अन्न खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों, न्यूट्रीहब सुविधाओं का दौरा एवं भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं द्वारा विकसित मूल्य वर्धित उत्पादों का अवलोकन किया।

श्रीमती मंगला ठाकुर, एजीएम क्यूए तथा आर एवं डी, पारले प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड ने अपने दल के साथ भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं द्वारा विकसित मूल्य वर्धित उत्पादों के बारे में जानने के लिए उत्कृष्टता केंद्र, सामान्य सुविधा केंद्र और प्राथमिक प्रसंस्करण इकाई सहित भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं की अन्य सुविधाओं का दौरा किया।

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, ओडिशा सरकार के पच्चीस कृषि अधिकारियों ने नवीनतम श्री अन्न उत्पादन प्रौद्योगिकियों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त करने के लिए 6 अक्तूबर 2023 को न्यूट्रीहब, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। इस यात्रा का आयोजन मैनेज, हैदराबाद के द्वारा किया गया था।

अंतर्राष्ट्रीय प्रतिनिधि

श्री अन्न क्षेत्र में व्यापार के अवसरों के बारे में जानकारी प्राप्त करने हेतु अफ्रीकी देशों के प्रतिनिधियों ने 19 अक्तूबर 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। इस दौरे को राष्ट्रीय सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्यम संस्थान (एनआई-एमएसएमई), हैदराबाद, तेलंगाना द्वारा सुगम बनाया गया।

किसान

तमिलनाडु के लगभग 40 किसानों ने नवीनतम श्री अन्न मूल्य वर्धन प्रौद्योगिकियों के बारे में जानने के लिए 4 अक्तूबर 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। इस यात्रा को एटीएमए, तमिलनाडु ने सुगम बनाया।

तमिलनाडु के तिरुपुर और शिवगंगई जिलों के कुल 40 किसानों ने 9 अक्तूबर 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। किसानों को भाश्रीअनुसं के प्रक्षेत्र प्रदर्शनों के दर्शन कराए गए जिससे उन्हें विभिन्न श्री अन्न किस्मों, विकासावस्थाओं, और श्री अन्न की खेती हेतु संस्तुत कार्यों को जनने में सहायता मिली। तत्पश्चात उन्हें श्री अन्न प्रसंस्करण इकाइयों, तकनीकों और श्री अन्न के मूल्यवर्धित उत्पादों से अवगत कराया गया।

चित्रदुर्ग और होलालकेरे, कर्नाटक के लगभग 23 किसानों ने ज्ञानवर्धक दौरे के एक भाग के रूप में 10 अक्तूबर 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। इस यात्रा के दौरान, किसानों को श्री अन्न के खेतों में ले जाया गया, जहां डॉ. अमासिद्ध ने उन्हें श्री अन्न की खेती के बारे में बताया। इस दौरे से किसानों को नवीनतम श्री अन्न प्रौद्योगिकियों और श्री अन्न की खेती, प्रसंस्करण और मूल्य-वर्धन के बारे में जानकारी प्राप्त हुई।

उत्तर प्रदेश के चित्रकूट जिले के चालीस किसानों ने 11 अक्तूबर, 2023 को भाश्रीअनुसं का दौरा किया। उन्हें विभिन्न श्री अन्न के प्रदर्शन प्रक्षेत्र, प्रसंस्करण सुविधाएं दिखाई गईं एवं उन्हें श्री अन्न कृषि-कार्यों के बारे में बताया गया।

एटीएमए तमिलनाडु के बीस किसानों ने दिनांक 9 अक्तूबर, 2023 को न्यूट्रीहब, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। दौरे का उद्देश्य प्राथमिक प्रसंस्करण व सामान्य सुविधा केंद्रों सहित अन्य सुविधाओं के बारे में जानकारी प्राप्त करना था। इस यात्रा का समन्वय सुश्री हेमशंकरी, वैज्ञानिक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के द्वारा किया गया।

तमिलनाडु के किसानों ने श्री अन्न प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों के बारे में जानने के लिए 19 अक्तूबर 2023 को न्यूट्रीहब, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। इस दौरे का आयोजन कृषि विभाग, तमिलनाडु सरकार द्वारा किया गया।

तमिलनाडु के विभिन्न जिलों से दो समूहों में कुल 70 किसानों ने 30 अक्तूबर 2023 को नवीनतम श्री अन्न उत्पादन प्रौद्योगिकियों के बारे में जानने के लिए भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। इस दौरे को एटीएमए, हैदराबाद के द्वारा सुकर बनाया गया।

प्रयागराज, उत्तर प्रदेश के पचास किसानों ने 30 अक्तूबर 2023 को श्री अन्न क्षेत्र में विभिन्न व्यावसायिक अवसरों के बारे में जानने के लिए भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया। इस दौरे को उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा सुकर बनाया गया।

छात्र

गौडियम स्कूल, हैदराबाद, तेलंगाना के कुल 124 छात्र - 05 अक्तूबर 2023.

विज्ञान विश्वविद्यालय, तेलंगाना के 70 छात्र - 9 अक्तूबर, 2023.

सेंटिया ग्लोबल स्कूल, हैदराबाद के दसवीं कक्षा के लगभग 180 छात्र - 10 अक्तूबर, 2023.

वसुधाताई देशमुख कृषि महाविद्यालय (पीडीकेवी), अमरावती, महाराष्ट्र के 60 छात्र - 11 अक्तूबर 2023.

एनी बेसेंट महिला डिग्री कॉलेज, हैदराबाद की 124 छात्राएं - 11 अक्तूबर 2023.

श्री विद्यानिकेतन डिग्री कॉलेज, तिरूपति, आंध्र प्रदेश के 46 छात्र - 11 अक्तूबर 2023.

एमपीकेवी राहुरी से संबद्ध कृषि विद्यालय, सोलापुर के लगभग 105 छात्र के द्वारा 10 अक्तूबर 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं-सीआरएस- सोलापुर केंद्र का दौरा।

अधिकारी/प्रशिक्षु

कृषि एवं किसान कल्याण विभाग, ओडिशा सरकार से कुल 25 कृषि अधिकारियों ने श्री अन्न प्रसंस्करण और मूल्य वर्धित उत्पादों के बारे में जानने के लिए 10 अक्तूबर 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं सुविधाओं का दौरा किया।

मैनेज, हैदराबाद में प्रशिक्षणरत ओडिशा के कृषि अधिकारियों ने नवीनतम श्री अन्न कृषि-कार्यों एवं श्री अन्न प्रसंस्करण और मूल्य वर्धन प्रौद्योगिकियों के बारे में जानने के लिए 19 अक्तूबर 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं का दौरा किया।

आंध्र प्रदेश के पडेरू ब्लॉक के कृषि अधिकारियों ने भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं द्वारा विकसित श्री अन्न प्रसंस्करण प्रौद्योगिकियों को समझने के लिए 20 अक्तूबर, 2023 को भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद का दौरा किया। भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के वैज्ञानिक डॉ. संगप्पा के मार्गदर्शन में किउसं नेस्ट दल ने अधिकारियों का मार्गदर्शन किया और श्री अन्न प्राथमिक प्रसंस्करण मशीनरी का प्रदर्शन किया।

किउसं समाचार

केवीके, कलबुर्गी में प्रशिक्षण कार्यक्रम

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद, कृविविवि, रायचूर तथा भाकृअनुप-कृविकें कलबुर्गी ने संयुक्त रूप से कलबुर्गी में कर्नाटक किउसं के मु.का.अधिकारियों, लेखाकारों और निदेशक मंडल के लिए 9-11 अक्तूबर 2023 के दौरान 3 दिवसीय क्षमता निर्माण कार्यक्रम का आयोजन किया। शिक्षण कार्यक्रम के एक भाग के रूप में, वैज्ञानिकों और विषय विशेषज्ञों के द्वारा किसानों को बाजार से जोड़ने के लिए किउसं का महत्व, श्री अन्न और इसके पोषण संबंधी लाभ, बाजार लिंकेज के लिए खरीदारों और विक्रेताओं को जोड़ने में मु.का.अधिकारियों तथा निदेशक मंडल की भूमिका, किउसं के लिए व्यापार के अवसरों चर्चा की गई। व्यवसाय योजना पर समूह गतिविधि, ड्रोन छिड़काव पर व्यावहारिक प्रशिक्षण, एपीएमसी मंडी दौरा, कलबुर्गी प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण थे।

श्रद्धा एफपीसीएल, पश्चिम बंगाल को श्री अन्न बीज का वितरण

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं ने आदिवासी क्षेत्रों में श्री अन्न को बढ़ावा देने हेतु अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप, 18 अक्तूबर 2023 को श्रद्धा फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, पश्चिम बंगाल को 120 किलोग्राम श्री अन्न बीज का निःशुल्क वितरण किया। इस महत्वपूर्ण कदम ने इच्छुक श्री अन्न उत्पादकों को उस क्षेत्र में श्री अन्न की खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया। बीज का वितरण डॉ. संगप्पा, प्रधान अन्वेषक, किउसं परियोजना, श्री के श्रीनिवास बाबू, किउसं परियोजना के सह-प्रधान अन्वेषक, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के द्वारा समन्वय से एनएफएसएम किउसं परियोजना में उपलब्ध निधि से किया गया।

शोरापुर तालुका श्री अन्न किउसं की श्री अन्न प्रसंस्करण इकाई का उद्घाटन

सुश्री शोभा करंदलाजे, माननीय कृषि और किसान कल्याण राज्य मंत्री, तथा श्री शरणबसप्पा गौड़ा दर्शनपुर, माननीय एससीआईपीई मंत्री, कर्नाटक सरकार ने 13 अक्तूबर, 2023 को भाकृअनुप भाश्रीअनुसं द्वारा प्रवर्तित शोरापुर तालुका श्री अन्न किउसं में श्री अन्न प्रसंस्करण इकाई का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम के दौरान, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं किउसं इकाई के श्री कैलाश ने भाश्रीअनुसं द्वारा की गई किउसं गतिविधियों के बारे में बताया।

पुनरीक्षण बैठक

भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं हैदराबाद द्वारा प्रवर्तित आं.प्र. किउसं के लिए किउसं नेस्ट दल के द्वारा 13 अक्तूबर 2023 को ऑनलाइन साप्ताहिक प्रगति समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक के दौरान मु.का.अधिकारियों और लेखाकारों ने एलएमएस पंजीकरण, अंशदान जुटाने, शुरू की गई व्यावसायिक गतिविधियों, क्रेडिट लिंकेज और लाइसेंस के बारे में अपनी प्रगति साझा की। लेखाकारों द्वारा लेखा परीक्षा की प्रगति पर चर्चा की गई। इस बैठक में एलएमएस प्रशिक्षण और प्रमाण पत्र की प्रक्रिया पर भी चर्चा की गई।

समझौता ज्ञापन

एम एस तप्तपानी फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, ओडिशा ने 17 अक्तूबर 2023 को भाश्रीअनुसं-हैदराबाद में छह श्री अन्न मूल्य वर्धित उत्पादों के लाइसेंस हेतु भाकृअनुप- भाश्रीअनुसं, हैदराबाद के साथ समझौता किया। संस्थान की ओर से डॉ. तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने और सर्वश्री एसपी खाद्य उत्पाद की ओर से सुश्री प्रिया विल्मर, प्रबंध निदेशक ने समझौते ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए।

एम एस साई सदन आर्गो प्राइवेट लिमिटेड, हडपसर, पुणे ने श्री अन्न को बढ़ावा देने और विशेष रूप से ज्वार कुकीज़ तथा ज्वार इंस्टेंट खिचड़ी मिश्रण की प्रौद्योगिकियों के लिए परस्पर सहयोग हेतु 26 अक्तूबर 2023 को न्यूट्रीहब, भाकृअनुप-भाश्रीअनुसं के साथ एक समझौता किया। सर्वश्री तप्तपानी फार्मर्स प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड, ओडिशा की ओर से श्री अजीत कुमार साहू, मु.का.अधिकारी ने और संस्थान की ओर से डॉ. तारा सत्यवती, निदेशक, भाश्रीअनुसं ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस सुअवसर पर डॉ. जे स्टेनली, वरिष्ठ वैज्ञानिक भी उपस्थिति थे।

आभासी बैठकों / प्रशिक्षणों / कार्यशालाओं / संगोष्ठियों में सहभागिता

क्र.सं.	पदाधिकारी का नाम	विवरण	प्रकार	तिथि
1	सी तारा सत्यवती तथा संगप्पा,	भाकृअनुप-सीएमएफआरआई कोचीन द्वारा "सतत विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने हेतु कृषि-खाद्य प्रणालियों में परिवर्तन" पर कृषि विज्ञान कांग्रेस	सम्मेलन	10-13 अक्तूबर, 2023
2	एवी उमाकांत, आर वेंकटेश्वर्लु तथा वी एम मालती	'स्थिरता के लिए चीनी उद्योग आधुनिकीकरण और विविधीकरण' पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन	सम्मेलन	11-12 अक्तूबर, 2023
3	महेश कुमार	भाकृअनुसं, नई दिल्ली के द्वारा *आधुनिक तकनीकी और राजभाषा* पर एक दिवसीय हिंदी कार्यशाला	कार्यशाला	17 अक्तूबर, 2023
4	बी दयाकर राव	एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी, कट्टनकुलथुर, तमिलनाडु में श्री अन्न प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन, सुरक्षा और स्थिरता पर राष्ट्रीय सम्मेलन	सम्मेलन	19 अक्तूबर, 2023
5	वी एम मालती	एसएएफआई इंस्टीट्यूट ऑफ एडवांस्ड स्टडीज, मलप्पुरम, केरल द्वारा 'मैजिक मिलेट्स: सोइंग सस्टेनेबल फ्यूचर-2023' पर राष्ट्रीय सम्मेलन	सम्मेलन	19 अक्तूबर, 2023

संकलन एवं संपादन
डॉ. महेश कुमार, डॉ. के वी राघवेन्द्र राव,
डॉ. जिनु जेकब तथा डॉ. वी वेंकटेश भट
फोटो, अभिकल्पना तथा रूपरेखा
एच एस गावली
प्रकाशक एवं मुख्य संपादक
निदेशक,
भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

भाकृअनुप - भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान

बाजरा, ज्वार तथा लघु श्री अन्न पर अखिल भारतीय समन्वित अनुसंधान परियोजना

मुख्यालय - राजेन्द्रनगर, हैदराबाद-500053
दूरभाष : 040-24599300
फैक्स : 040-24599304 ई-मेल : millets.icar@nic.in वेबसाइट : www.millets.res.in

रबी ज्वार केंद्र (भाश्रीअनुसं)
राष्ट्रीय राजमार्ग-9, बायपास, शेल्गी,
सोलापुर-413006 (महाराष्ट्र)
दूरभाष : 0217-2373456 फैक्स : 0217-2373456
ई-मेल : solapur@millets.res.in
वेबसाइट : www.millets.res.in

ज्वार गैर-मौसमी पौधशाला, वरंगल
प्रभारी अधिकारी,
भारतीय श्री अन्न अनुसंधान संस्थान, आरएआरएस
(पीजेटीएसएयू) मुलुगू रोड़. वरंगल